# श्री लालू प्रसाद यादव

| | |
|---|---|
| **जन्म** | : 11 जून, 1948, गोपालगंज, बिहार |
| **निवास स्थान** | : पटना |
| **पद** | : सांसद |
| **निर्वाचन स्थल** | : छपरा |
| **राजनीतिक पार्टी** | : राजद |
| **पत्नी** | : श्रीमती राबड़ी देवी |
| **संतान** | : दो पुत्र तथा सात पुत्रियाँ |

अपने करिश्माई नेतृत्व तथा जनसाधारण में अपनी गहरी पैठ के लिये प्रसिद्ध लालू प्रसाद यादव केन्द्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में रेलमंत्री हैं। वह भारत के प्रमुख राजनैतिक दल 'राष्ट्रीय जनता दल' के अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले वह सात वर्ष तक बिहार राज्य के मुख्यमंत्री पद पर आसीन रह चुके हैं। 'लिम्का बुक ऑफ रिकार्डस्' के अनुसार श्री लालू प्रसाद यादव भारत में किसी राजनैतिक दल के सबसे लम्बे समय तक अध्यक्ष बने रहे। उनकी पत्नी श्रीमती राबड़ी देवी भी बिहार की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

## पृष्ठभूमि

श्री लालू प्रसाद यादव का जन्म एक निर्धन यादव परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम स्वर्गीय श्री कुन्दन राय एवं उनकी माँ का श्रीमती मरछिया देवी है। वह मूलरूप से बिहार के गोपालगंज नगर के फुलवरिया नामक स्थान से जुड़े हैं। उनके पिता निर्धन किसान थे। लालू प्रसाद जी ने राजनीतिशास्त्र में परास्नातक की उपाधि पटना विश्वविद्यालय से प्राप्त की। श्री लालू यादव का राजनीति में पहला कदम पटना विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में भागीदारी थी। वहाँ उन्होंने 1970 के समय में जयप्रकाश नारायण द्वारा प्रेरित एक छात्र आन्दोलन का नेतृत्व किया।

## राजनैतिक जीवन

वह कहते हैं कि उनके पास रेलयात्रियों के लिये खादी तथा छाछ प्रस्तुत करने की योजनायें हैं। इससे न केवल प्रदूषण में कमी होगी बल्कि ग्रामीण रोजगार में वृद्धि होगी।

जून 2004 में उन्होंने घोषणा की कि वह भारतीय जनता की मुख्य समस्याओं का प्रत्यक्ष अनुभव करने के लिये रेलयात्रा करेंगे। यद्यपि उन्होंने एक बार रात में पटना स्टेशन पर अचानक निरीक्षण के लिये पहुँच गये। 10 अगस्त, 2004 को उन्होंने नई दिल्ली के रेल भवन का अचानक निरीक्षण किया। वहाँ उन्होंने विलंब से आने वाले 500 कर्मचारियों का वेतन काट लिया तथा उन्हें वापस भेज दिया। 16 अगस्त, 2004 को उन्होंने मुंबई से दानापुर आने वाली मालगाड़ी का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने मालगाड़ी के माल के वजन को उनके वास्तविक भार से कम पाया। इससे रेलवे को राजस्व की हानि होती है। उन्होंने बताया कि यह एक गिरोह का कार्य है जिसमें रेलवे अधिकारी,

माल भेजने वाले ग्राहक तथा ट्रांसपोर्ट्स सम्मिलित हैं। बाद में पता चला कि 'समृद्ध ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी तथा बीजेपी के कुछ नेता तथाकथित रूप से इस गिरोह में मिलकर कार्य कर रहे थे। रेलों में अपराध रोकने के लिए उन्होंने आर पी एफ तथा जी आर पी की सम्मिलित गश्त आरंभ करवाई।

7 जुलाई, 2004 को लालूजी ने अपना प्रथम रेल बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने भाड़ा नहीं बढ़ाया। उन्होंने केन्द्र सरकार में नौकरी की तलाश करने वाले यात्रियों के लिए द्वितीय श्रेणी की रेलयात्रा मुफ्त कर दी। उन्होंने 55 नई रेलगाड़ियाँ आरंभ करने की घोषणा की जिनमें से 23 बिहार तथा तमिलनाडु से आरंभ की गईं। उत्तर प्रदेश को बीस अतिरिक्त रेलें दी गईं तथा दस चल रहीं ट्रेनों को बढ़ा दिया। 2006–07 में 4 रेलों के परिक्षेत्र में वृद्धि कर दी गई। तमिलनाडु में दस नई रेलगाड़ियाँ आरंभ की गई। 7 ट्रेनों को विस्तार दिया गया तथा दो रेलों के परिक्षेत्र में वृद्धि कर दी गई। आन्ध्र प्रदेश में भी 13 नई ट्रेनें, 11 विस्तृत ट्रेनें दी गईं।

उनके द्वारा आरंभ की गईं चार गरीब रथ तथा अन्य ट्रेनें उत्तर प्रदेश तथा बिहार को चेन्नई, मुम्बई, दिल्ली तथा अमृतसर से जोड़ती हैं तथा यह ट्रेनें प्रवासी कामगारों के लिए अत्यंत सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास मात्र है। उन्होंने दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई तथा अमृतसर के लिये बिहार तथा भारत के पूर्वी भागों से गरीब रथ रेल आरंभ की जो विशेष रूप से गरीब मजदूरों तथा कामगारों के लिये बनाई गई है। ये गरीब मजदूर रोजी रोटी के लिये बड़ी संख्या में भारत के विभिन्न बड़े नगरों की यात्रा करते हैं।

लालूजी ने गरीब नवाज ट्रेनें राज्य के तीन गंतव्यों किशनगंज, यशवंतपुर तथा रांची से अजमेर को ख्वाजा गरीब नवाज के तीर्थ के लिये आरंभ कीं है। लालू ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख तथा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के लिये भी दो नई ट्रेनों की घोषणा की है। जुलाई 2004 में उन्होंने बिहार के लिये केन्द्रीय वित्तमंत्री पी. चिदंबरम् से 3225 करोड़ का सहायता पैकेज घोषित करवाया। 13 जुलाई, 2004 को लालूजी ने गोधरा ट्रेन जलने की घटना की जांच के आदेश दिये।

## लालूजी का असाधारण व्यक्तित्व

लालू यादव आपातकाल के समय उस क्षण चर्चा में आ गये जब उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में अपनी मांगों की सूची तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व. सत्येंद्र नारायण सिन्हा, जिन्हें लोग छोटे साहब कहकर बुलाते थे, के संरक्षण में श्री लालू यादव ने राजनीति का पाठ पढ़ा। 1977 में स्व. सिन्हा बिहार में जनता पार्टी के अध्यक्ष थे। छोटे साहब ने स्वयं लालूजी को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारा तथा उन्होंने लालूजी के लिये प्रचार भी किया। इसके पश्चात् लालूजी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह केवल 29 वर्ष की आयु में 1977 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुये। 1989 के सामान्य तथा राज्य के विधानसभा चुनावों में उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा गठबंधन का नेतृत्व किया तथा एक प्रमुख राजनीतिक नेता बन गये। 1990 के विधानसभा चुनावों में जब उनका गठबंधन सत्ता में आ गया तब लालू ने पूर्व मुख्यमंत्री राम सुन्दर दास को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे छोड़ा और स्वयं मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुये। उन्होंने अपना पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। अगले विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपने बल पर पूर्ण

बहुमत प्राप्त करके बहुत से राजनीतिक पंडितों को चकित कर दिया। 1989 में बिहार में लालूजी के मुख्यमंत्री बनने के पश्चात्, बीजेपी ने मन्दिर आन्दोलन आरंभ कर दिया जिसमें एक भारतीय राजनेता एल.के. आडवाणी ने धमकी दी थी कि यदि उन्हें गिरफ्तार किया गया तो संपूर्ण बिहार में भंयकर रक्तपात होगा। एल.के. आडवाणी को अल्पसंख्यकों के विरूद्ध उत्तेजक तथा भड़काऊ भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। लालू यादव ने 23 अक्टूबर, 1990 को समस्तीपुर में आडवाणी को उनकी रथयात्रा के दौरान गिरफ्तार करने का आदेश दे दिया। लालू यादव ने इस मुद्दे पर आसानी से भड़क सकने वाले हिन्दु–मुस्लिम दंगों को प्रभावी ढंग से रोका। विशेषतः भागलपुर में जो 1930 से ही सांप्रदायिक हिंसा के लिये कुख्यात रहा है, कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। 1990 के दशक में विश्व बैंक ने श्री लालू यादव की सरकार की आर्थिक मोर्चों पर सफलता के लिये प्रशंसा की थी।

## रेलमंत्री के रूप में

श्री लालू प्रसाद यादव चौदहवीं लोकसभा के लिये बिहार के छपरा तथा मधेपुरा निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव जीते। उनको केन्द्र की यूपीए सरकार में रेलमंत्री बनाया गया। कुछ समय बाद, उन्होंने मधेपुरा सीट छोड़ दी।

उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर चाय आदि में प्रयोग किये जाने वाले प्लास्टिक के कपों के प्रयोग पर पाबंदी लगा दी तथा ये घोषणा की कि अब इन प्लास्टिक के कपों के स्थान पर कुल्हड़ों का प्रयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण रोजगार में वृद्धि होगी। उन्होंने आदर्श रेलवे स्टेशन, रेलमार्ग के चौड़ा करवाने तथा रेलवे में रोजगार देने का वचन दिया। लालू ने रेलवे में 80000 सी तथा डी ग्रेड की पुरानी रिक्तियाँ भी निकालीं। इसके अलावा उन्होंने सामान्य तथा द्वितीय श्रेणी के किराये में एक रूपये की कटौती भी की तथा इंटरनेट आधारित आरक्षण तथा टिकट व्यवस्था शीघ्र आरंभ करने की घोषणा भी की। उन्होंने खुली टिकट व्यवस्था तथा निम्न श्रेणी यात्री सुविधा को उच्च श्रेणी का कर देने की घोषणा भी की।

## भारतीय रेलवे का वित्तीय कायापलट

श्री लालू यादव को भारतीय रेल, जो लगभग दिवालिया होने के कगार पर था, के वित्तीय कायापलट का श्रेय जाता है। इस संबंध में जो चीज उनके कार्य को प्रशंसनीय बनाती है वह यह है कि उन्होंने यात्री किराये में बिना वृद्धि किये रेलवे के लिये राजस्व के कुछ नये तथा महत्वपूर्ण स्त्रोत खोज निकाले। जब लालू ने पदभार ग्रहण किया तब रेलवे केवल घाटा देने वाली संस्था बनकर रह गया था। राकेश मोहन समिति, जो आर्थिक विभाग के सचिव राकेश मोहन की अध्यक्षता में बनी थी, ने रेलवे को 'सफेद हाथी' की संज्ञा दी थी तथा यह भविष्यवाणी भी की थी कि यह 2015 तक 61,000 करोड़ के घाटे के साथ दिवालिया हो जायेगी। इन सब भविष्यवाणियों को धता बताते हुये लालूजी के नेतृत्व में रेलवे ने 110 बिलियन रूपयों का अभूतपूर्व सरप्लस दर्ज किया। लालू ने इस संबंध में 2006–07 के बजट में यह घोषणा की–

'महोदय, मुझे सदन में यह बताते हुये गर्व हो रहा है कि 2005–06 के प्रथम नौ माह में रेलवे की क्षमता अविश्वसनीय रही है। माल ढोने में 10 प्रतिशत की वृद्धि तथा माल ढोने से होने वाली आय में 18 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इन नये रूझानों को देखते हुये, माल ढ़ोने की क्षमता 635 मीट्रिक से बढ़कर 668 मीट्रिक टन की जा रही है तथा सामान ढोने से प्राप्त होने वाले राजस्व का लक्ष्य 33480 करोड़ से बढ़ाकर 36490 करोड़ कर दिया गया है। इस प्रकार रेलवे इन दो वर्षों में 111

मीट्रिक टन सामान ढ़ोने की क्षमता और बढ़ा लेगी जो पिछले नौ पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तराल में कुल 83 मीट्रिक टन माल ढोने की क्षमता में वृद्धि की तुलना में 133 प्रतिशत अधिक है। दसवीं योजना में निर्धारित किया गया 624 मीट्रिक टन लोडिंग तथा 396 बिलियन टन किलोमीटर का लक्ष्य एक वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया गया है। महोदय मैं केवल आशा के साथ ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास के साथ कहता हूँ कि दसवीं पंचवर्षीय योजना में माल ढोने के 63 प्रतिशत बिलियन टन किलोमीटर की वृद्धि के लक्ष्य को हम 200 प्रतिशत वृद्धि के साथ प्राप्त कर लेंगे।'

लालूजी के कार्यों से प्रभावित भारतीय मैनेजमेंट संस्थान, अहमदाबाद लालूजी द्वारा भारतीय रेलवे की कायापलट करने के चमत्कार का अध्ययन कर रहा है ताकि भविष्य में उनके छात्र भी इससे सीखें तथा लाभ उठायें। प्रो. जी. रघुराम, जो आई आई एम ए की फैकल्टी के एक सदस्य हैं, ने रेलवे की इस चमत्कारी प्रगति पर पहले ही अध्ययन कर चुके हैं। 18 सितम्बर, 2006 को लालूजी ने मैनेजमेंट छात्रों को तथा मैनेजमेंट संस्थान के सदस्यों को लेक्चर दिया तथा बताया कि किस प्रकार रेलवे ने अभूतपूर्व वृद्धि तथा प्रगति दर्ज की । अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस द्वारा कराये गये सर्वेक्षण का निष्कर्ष यह निकला है–

– रेलवे का वित्तीय कायापलट अविश्वसनीय आँकड़ों द्वारा समर्पित, प्राप्त किये जा सकने योग्य तथा वास्तविक है।

–कायापलट साधारण पुनर्निर्माण से भी ऊपर है।

–कायापलट यात्री या माल भाड़े में बिना कोई वृद्धि किये किया गया है।

–यह कायापलट लालूजी के नेतृत्व में हुआ है।

रेलवे को आधुनिक बनाने के अपने अभियान के अंतर्गत लालूजी ने 100 उच्चाधिकारियों, 25 जनरल मैनेजरों जो भारत के विभिन्न रेलवे जोन से आये थे तथा 60 विभागीय रेलवे व्यवस्थापकों को अपनी मैनेजमेंट दक्षता तथा आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिये फ्रांस तथा अमेरिका के प्रसिद्ध मैनेजमेंट विद्यालयों में भेजा।

वित्तीय वर्ष 2009–10 का रेल बजट रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव ने 13 फरवरी, 2009 को संसद में प्रस्तुत किया। यह लगातार छठा वर्ष था, जब रेल बजट उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने इन छः बजटों में उन्होंने यात्री किराए में कोई वृद्धि नहीं की है। बल्कि इस बजट में भी यात्री किराया घटाया है। (बजट 2009–10 के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए 'रेल बजट 2009–10' वेब पेज देखें)

## लालूजी के प्रति बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय रूचि

अनेक स्त्रोतों से यह विदित हो चुका है कि हार्वड तथा एचईसी मैनेजमेंट, फ्रांस की भाँति बहुत सी विदेशी कंपनियाँ, विश्वविद्यालयों तथा दूतावासों ने लालूजी के बारे में अत्यधिक जानकारी प्राप्त करने की लालसा दिखाई है। जब से श्री लालू यादव केंद्र सरकार में मंत्री बने है तब से बहुत से दूतावासों तथा विदेशी विश्वविद्यालयों ने लालूजी को अपने यहाँ भ्रमण का न्यौता दिया है तथा उनके बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया है। संयुक्त राज्य अमरीका के 50 से अधिक प्रबन्धकीय विद्यार्थी भारतीय रेल के आर्थिक उत्थान पर लालू जी के भाषण को सुनने के लिए भारत आए। आगन्तुक समूह में शामिल होने वाले हैं–35 विद्यार्थी जो कि

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में हार्वर्ड और वार्टन स्कूल के छात्रों को प्रबंधन के गुर सिखाते रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव।

मैकुमबस स्कूल ऑफ बिजनेस, ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय थे। इसके अतिरिक्त 22 विद्यार्थी वर्जिनिया विश्वविद्यालय के डार्डेन स्कूल ऑफ बिजनेस से थे। (लालूजी को शिकागो विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल द्वारा आमंत्रित किया गया है। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल तथा वार्टन बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी दिसम्बर 2006 के शुरू में ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तथा राजद नेता के भाषण में रूचि दिखाने आए थे।)

इसके अतिरिक्त विभिन्न विदेशी संस्थाओं/विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में बुलावा आ रहा है और निवेदन किया गया है कि लालूजी उनके केम्पस में आए और भारतीय रेल की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना के मोड़ की कहानी पर भाषण तथा सेमिनार को सम्बोधित करें।

विशालकाय भारतीय रेलवे की कार्यक्षमता में पूरे संसार की रूचि पिछले तीन वर्ष में अच्छे कार्य के कारण मुख्य हो चुकी है।

'एशिया टाइम्स' से ऑनलाइन बातचीत करते हुये लालूजी ने कहा 'सारे संसार के लोग यह जानना चाहते हैं कि एक ग्वाले के पुत्र ने इतनी उन्नति किस प्रकार की। उनका मेरे बारे में जानने की उत्सुकता भारतीय लोकतंत्र की विजय है। उनके एक अधिकारी ने बताया कि सौ से अधिक संस्थाओं ने उनके बारे में जानकारी माँगी है तथा उनके बारे में अनेक प्रश्न किये हैं। लालू यादव के वरिष्ठ अधिकारी सुधीर कुमार के अनुसार कि एक बार जब वह एक कांफ्रेन्स के संबंध में फ्रांस गये तथा वहाँ वह प्रोफेसर स्टीवन आर. डिटमेयर जो हार्वर्ड के पूर्व फैकल्टी मेम्बर थे तथा अब राष्ट्रीय सुरक्षा विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं, से मिले तथा श्री कुमार का कहना है कि 'प्रोफेसर रेलवे की सफलता तथा यह सफलता दिलाने वाले व्यक्ति के बारे में जानकर अत्यंत हैरान थे तथा वह रेलवे की सफलता तथा लालू जी के बारे में और जानकारी प्राप्त करने के लिये शीघ्र भारत आयेंगे। उनके अध्ययन का विषय होगा कि किस प्रकार एक औपचारिक शिक्षा से रहित व्यक्ति ने इतना बड़ा चमत्कारिक परिवर्तन ला दिया। वास्तव में लालू जी पटना विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा एलएलबी उपाधि प्राप्त किये है। उनके विचारों के अनुसार हार्वर्ड बिजनेस स्कूल रेलवे पर एक पूर्ण अध्ययन तथा अन्वेषणात्मक कार्य करेगा। ठीक इसी रूप में एचईसी के केरीन लिजॉली कहते हैं' हम भारतीय रेलवे को अपने पाठ्यक्रम का अंग बनाने की सोच रहें हैं। हालाँकि अभी किसी चीज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। मैं अक्टूबर–नवम्बर माह में संबंधित अधिकारियों से इस बाबत विचार करने को भारत की यात्रा करूँगा।

## निजी जीवन

लालूजी ने 1973 में राबड़ी देवी से विवाह किया। श्रीमती राबड़ी स्वयं बिहार की मुख्यमंत्री रह चुकीं हैं। लालू के दो पुत्र तथा सात पुत्रियाँ हैं। उनके अनुसार उनका बड़ा परिवार आपातकाल में हुये बलात् बन्ध्याकरण का विरोध का प्रतीक है। उनकी बड़ी पुत्री मीसा भारती हैं जिनका पहला नाम एक कानून पर आधारित है जो पुलिस को जनता के हित के लिये बिना अदालत के आदेश या आज्ञा के किसी भी व्यक्ति को पकड़ने तथा गिरफ्तार करने का अधिकार प्रदान करता है। यह कानून 1970 के दशक अन्तिम वर्षों में अत्यंत प्रचलित था। लालूजी तथा उनकी पत्नी बड़े धर्मनिष्ठ है तथा हिन्दू धर्म की परंपराओं तथा मान्यताओं का निष्ठा से पालन करते हैं। उनकी पत्नी प्रत्येक वर्ष छठ का आयोजन करती हैं। श्री सुभाष यादव तथा श्री साधु यादव लालूजी की पत्नी राबड़ी देवी के भाई हैं।

## लालूजी द्वारा सुशोभित किये गये पद

1977 : छठी लोकसभा के लिये 29 वर्ष की आयु में चुने गये।

1980–89 : बिहार की विधानसभा के दो कार्यकालों के लिये सदस्य रहे।

1989 : बिहार विधान भवन में विपक्ष के नेता बने तथा पुस्तकालय समिति के चेयरमैन बने, पब्लिक अंडरटेकिंग समिति के संयोजक बने तथा नवीं लोकसभा के लिये चुने गये जो लोकसभा में उनका द्वितीय कार्यकाल था।

1990–95 : बिहार की व्यवस्थापिका काउंसिल के सदस्य रहे।

1990–97 : बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

1995–98 : बिहार लेजिस्लेटिव सभा के सदस्य रहे।

1997 : जनता दल से अलग होकर राष्ट्रीय जनता दल का गठन किया।

1998 : बारहवीं लोकसभा के लिये चुने गये।

1998–99 : सामान्य उद्देश्य समिति के सदस्य, गृह संबंधी मामलों की समिति तथा इसकी उप समिति स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन योजना, परामर्श समिति, सूचना मंत्रालय के सदस्य

2004 : तेरहवीं लोकसभा के लिये निर्वाचित लोकसभा में चौथा कार्यकाल कैबीनेट मंत्री परिषद में रेल मंत्री के रूप में नामित। 2004 के लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी कांग्रेस की प्रमुख सहयोगी पार्टी के रूप में उभरी।

**विशेष नोट :** यह परिचय पूरी सावधानी के साथ कई पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से तैयार किया गया हैं। फिर भी यदि कोई अशुद्धि या तत्थ गलत हो तो कृपया ई–मेल द्वारा हमें बताने का कष्ट करें। ई–मेल प्राप्त होते ही तत्काल सुधार दिया जाएगा। धन्यवाद।

**rjdal@rediffmail.com**